

89

89

स्वस्ति श्रीसम्बत २६२ मीनी चैत वदी ५ रोज ४ एकदिनमात्रे
षिदीया हो सुभमस्तु



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सकय नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ विदुः कथयन्तु नीकाः ॥ २ ॥
जय नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
सकय नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
लक्ष्मण नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
॥ एकदिन नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
दमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

यिहि ॥ १ ॥ उल्लालय किय कने ॥ २ ॥ उल्लालय किय कने ॥ ३ ॥
जगदय कनेयु ने ॥ ४ ॥ पदम उल्लालय कने ॥ ५ ॥
कल कने नार्थ सा चयु कने ॥ ६ ॥ ॥ यनम्य नार्थ संवृत्त गवगंतु ॥ ७ ॥
कन कने लियु कने ॥ ८ ॥ ॥ सविनाय नार्थ चयु कने ॥ ९ ॥
यम विनाय नार्थ चयु कने ॥ १० ॥ ॥ अह नय कने ॥ ११ ॥

नां कुंश आक स च ग सा हि ना य स च स त्वा नाम नू ल न रु ला क या ७ ॥ यु का ५ अ
कु सं व द्वा र ग वा न उ म्मा क रा दु ना म हा म म य ल र व्दि सा ध य वि ल ना ८ ॥
र ग व न ह न का य स म स र्वा य गी म म म उ डी ह न का य स म न म र्लि स य र ह २
॥ १० ॥ ग मी ना य न ना ना र्थ म सा थ म म म डी वा श्म म श्म न क ल्या नि ना म म गी
मि म र्लि ना ॥ ११ ॥ या नि ने ला वि ना र्द दे ला वि य म म म ना ग ना य स ल्य ना श्व सं व द्वा य

ल य ना य न ड्य ना ॥ १२ ॥ मा या जाल म हा मं गु या वा सी सं य मि य न म हा व र्ज च ने
रु र्दे न म य म नु म्मा रि रि ॥ १३ ॥ श्म र्दे न म्मा र यि य मि नि र्थ न च दृ षा य
य थ र वा म्म दं ना य स च सं व र्ज क च का ॥ १४ ॥ यु का स रि य म ल्या ना य थ म य
वि स य म गी डी व क म हा म य श्म र्मा ह न हा य ॥ १५ ॥ च वं म य य गु म्मा व र्ज
या नि न थ ग न्द ना जि नि य दा र ना य क का य रि ना श्म र्मा ॥ १६ ॥ श्म र्मा म म

थाथा उडाः॥ ॥ अथ सायकमनि रगवां नमं द्वा द्वियदार्हमच निन्नमर्यायः
 गालिगायजि कायसुखाय ॥ १ ॥ मिमं संदडी लाका नां मया सुगय हस च नां रे नाकाह
 सकनदां वुत्तम नाति इम डी नं ॥ २ ॥ ने लाक माय नय न्या म च नया गि नायु ख ला ॥ ३
 यन गु वुत्तम वजया धि म ला वल ॥ ३ ॥ सा वुत्तम च न डी मा सा च न वजया नय य ह
 जगदिना थय म हा क र हा या चि ॥ ४ ॥ म हा थ ना म हा गी निया विना म च ना हा नि म

हा कान काय ह म ल इम डी म सु यन ॥ ५ ॥ न सा च द हा या म च वुत्तम वुत्तम च का चियाः
 ह न ल म का ग म ना न सा च र ग वा नि नि ॥ ६ ॥ ॥ य नि व च न ग म थ व ड ॥ ॥
 अथ इम क म नि र ग वा नु क न म ल क म म हा म ना वि या च न क लं य व ना क क ल यं
 ॥ ॥ ना क ला क न लं क नं का नो ना क क लं म हा म हा म हा क मं या गं म हा व क ग म
 हा ॥ ॥ व ड क ल ना क न ग म थ व ड ॥ ॥ ॥ मां व ल ना ना ना नं मं र का म व या

महाकर्म महाशक्ति महाशक्ति ॥ १ ॥ महासाया च त्रिविधं महासाया च त्रिविधं
 महासाया त्रिविधं महासाया त्रिविधं ॥ ६ ॥ महासाया त्रिविधं महासाया त्रिविधं
 महासाया त्रिविधं महासाया त्रिविधं ॥ ९ ॥ महासाया त्रिविधं महासाया त्रिविधं
 महासाया त्रिविधं महासाया त्रिविधं ॥ १० ॥ महासाया त्रिविधं महासाया त्रिविधं
 महासाया त्रिविधं महासाया त्रिविधं ॥ ११ ॥

महासाया त्रिविधं महासाया त्रिविधं ॥ १२ ॥
 महासाया त्रिविधं महासाया त्रिविधं ॥ १३ ॥
 महासाया त्रिविधं महासाया त्रिविधं ॥ १४ ॥
 महासाया त्रिविधं महासाया त्रिविधं ॥ १५ ॥
 महासाया त्रिविधं महासाया त्रिविधं ॥ १६ ॥

॥ शक्तिरूपश्च नादिल ॥ ११ ॥ विशाचलनसमन्वितसूत्रगोलाकारविलयनिर्मलमनिल
 संकालसंख्ययनयस्त्रिग ॥ १२ ॥ संज्ञानयावकाटिहृदयस्थसकलस्त्रिगकेवलसू
 तनिर्वाहगुण्युक्ताहासाविधाना ॥ १३ ॥ सहस्रमयमनाहासानाकाशकाशकलत्रमेव
 प्राचमनाकाशायासाययदुःका ॥ १४ ॥ सत्यार्थसिद्धसंकल्पसर्वसंकल्पवर्जित
 विक्लवायुयाचोऽवमचोऽयत्रायय ॥ १५ ॥ यद्यद्यद्यसंज्ञानास्त्वनानाकारं

मरुतस्त्वनकान्तदुःकातिमहाप्रादयसंज्ञ ॥ १६ ॥ साध्वनाविद्यत्राशागीच्या
 नक्षत्राविद्यायिगुणात्मवदश्चलत्रयप्रमायि कायठका ॥ १७ ॥ वंशकायाम
 कवृद्धायं नहनामकाविरहयं च वत्समकठायं च नमसंग्रहका ॥ १८ ॥ जन
 कसर्ववृद्धानां वृद्धयगायत्रावनयस्त्वनानाकारवर्णानिधर्म्यातिरत्नानाका ॥ १९ ॥
 द्वनेकसत्रावज्जलासुधाजानाजगनयनिगाराश्वरुदलयस्त्वनानाकारमहान

१० ॥ वे नाव नाम सादिकि नाना विना न नृगल्यदिया सा नात्मा मरान्ता
यल्लन ॥ ११ ॥ विशाना नृगामनु श्मामनु ना जाम साय कन मरान्ता हमाय सायि
इवद सादिक्यल्लि ॥ १२ ॥ अर्धकाल ललाय सा जगदा न न नाचन विड्वन् रियि विद्वान्
वयं सामान्या मरान्तायि ॥ १३ ॥ कल्लगुय च नाम नीम सा मय मनु चक नल्लगुय च ल
१४ ॥ अर्धकाल ललाय सा जगदा न न नाचन विड्वन् रियि विद्वान्
वयं सामान्या मरान्तायि ॥ १५ ॥ कल्लगुय च नाम नीम सा मय मनु चक नल्लगुय च ल

[illegible]

४ ॥ यो मरुता यो ये ककु क मरु इव न मे मे दि नार्थ म गे ॥ चर्म क कु म हा दय ॥ ४ ॥
 ने नाथे क क मा नां ग ह वि नाथ व ह य जी य पि दा नि स ह क न च न का न ने नाथ म
 ख ल ॥ ५ ॥ लोक ह न गु धा ना स लोक वा स वि डा न वः ना थ ह ना पि ना का या हा
 न हां ना यी न ॥ ६ ॥ ३ ॥ म ग ह ना ग मं ह ग म र्ब ह ना म ग नः इ वि डा डु का मं ह ना
 ह व य ज ल दा न हा ॥ ७ ॥ ॥ म मि ना हा मं ह ना मं हा ना र्ब व या न ग ह ना रि य क म क

१०

न स न्य कं व ह ह व हा ॥ ८ ॥ ॥ पि इः य इः य ह म म ह ना न न पि म कि ग ह र्ब व न
 हा नि म क रा का हा म ना ना न ॥ ९ ॥ ॥ म र्ब ह ना म लो मि न ह ना न च ग मं ग नः स र्ब
 स ल म हा ना र म गु हा हा व ल हा व ल ॥ १० ॥ ॥ म र्ब य वि वि नि म क यो म च र्म वि म
 हि न ४ म हा वि ना म नि व ल स र्ब न लो मि ना वि ह ॥ ११ ॥ ॥ म हा क ल न न ली टा म हा
 दा य टा ल म ४ स र्ब स लार्थ क ल क ल हा ना मी म ल व ल न ॥ १२ ॥ ॥ म हा डु ह ह का न

हृत्समय हृत्समयि विहृत्सल विहृत्सल हृत्समयि विहृत्सल विहृत्सल ॥ १३ ॥ युधिगुण
वर्म हृत्सल हृत्सल संगल हृत्सल सर्वमगलमागल हृत्सल हृत्सल क्रियगुण ॥ १४ ॥ प्रहल हृत्सल
महल हृत्सल महल हृत्सल महल हृत्सल महल हृत्सल महल हृत्सल महल हृत्सल ॥ १५ ॥ विसल हृत्सल
नवल हृत्सल नवल हृत्सल नवल हृत्सल नवल हृत्सल नवल हृत्सल नवल हृत्सल ॥ १६ ॥ विविहृत्सल
हृत्सल हृत्सल हृत्सल हृत्सल हृत्सल हृत्सल हृत्सल हृत्सल ॥ १७ ॥ महल

खगचामोडीवृक्षयालिवंगारुमसहातयानथा निरुह्यात्कार्त्तमा शुद्धा ॥ १८ ॥
विषकदावृक्षनिर्घ्रातमाद्यवा नृमुक्तिमाक्रोदिमाक्रोद्विमुक्ति इत्यननाशिव ॥ १९
॥ विद्यापतिविशिष्टाभिरुपायनिर्घ्रातमकागमहृषदहिंखाककिन्नित्तनिवाह
मर्यादिक्रय ॥ २० ॥ ब्रजयान्यभावाका निर्वाणायामीब्रजहठनिष्क्रमसध
ल्लसायिहृक्कवीजमनाद्यवा ॥ २१ ॥ भूमजीविमला वार्कदाषा

निनामय ४ सयवृद्धीविवृद्धा सा सध्व ४ सध्ववित्यय ४ २२ ॥
 विज्ञानघमि नागीग सुनेमैध यन्यध्व कानिर्विक ल्यनिना रागल्यः
 यमं द्वायय ४ २३ ॥ अदिनेनिच नावृद्ध अदिवृद्ध निनयय कानेक
 यज्ञनम ला कानम किम धागन ॥ २४ ॥ वागिध्व नमसावायिवादि नादादि
 यंगव ४ वदनां वनावलिश वादिमिहाय नाजिन ॥ २५ ॥ समनदझाया माद्युन

१२

अमालीसुद र्धनश्रवस सयरादिधि रागस नक नयनि ॥ २६ ॥ महारिध्वयन
 हास सलरुहानि लुल नृश्वय परेध्वयन नृक जवाचिमहा नय ॥ २७ ॥ निनाय ४
 निनक का नृगीमान्न कृष्णमधु लुद जादिरयमय यन चम चजाम साधुय ॥ २८ ॥
 कगच्छु केविय नासेजी क नृधमधु लयमनखे श्वनशामान्न लक्ष्मणमहाविह
 ॥ २९ ॥ सध्ववृद्धमहा नाज सध्ववृद्धा सलव ध्वक सध्ववृद्ध महाया ग सध्ववृद्धक

साधन॥ ३० ॥ वज्रनलरिखकशुसर्धनसाविद्यध्वनसर्धनाध्वन४सर्धवजाधि
 यध्वन॥ ३१ ॥ सर्धवृद्धमराचिरुसर्धवृद्धमनागतिरुसर्धवृद्धमसाकायसर्धवृद्धम
 नागति॥ ३२ ॥ वज्रसूर्यमसाकाकवज्रश्विमसूर्यरुयिनागतिमसाकागतिविध्वव
 रिकल्लर॥ ३३ ॥ सर्धवृद्धवज्रयर्थकोवृद्धमगातिरुसर्धवृद्धमसाकाकावृद्धम
 नागतिरुसर्धवृद्धमसाकाकावृद्धम॥ ३४ ॥ दिध्वमायावनानाकावृद्धविद्याधनामसाका

वज्रपिशाचसहस्रविंशत्यनमात्मनः ३७ ॥ इत्ययं द्वादशसहस्रान्वयर्गोममहायुग्मः
 त्रिंशजिह्वाजगामिचक्रवर्त्तनीयथार्थविन् ३८ ॥ सर्वयाननिगायनिसर्वरामिविः
 हसनविंशत्यधमनेनालासंयग्नानन्दहयरा ३९ ॥ मायाजानमहायोगसर्व
 नात्रिययनसर्वशिवजयर्थकानिशावलानकायधृक् ४० ॥ समनलदुःखसंनि
 क्रान्तिशरीरजगद्वलीसर्ववृद्धमहागणविजयनिर्मातृचक्रधृक् ४१ ॥ सर्वलवस

लवार्थः सर्वलवसलनः कः नूसादयमिविधायः सर्वयमिषलवः २०
 उक्तः मरुयाः सार्वभौमः वदः कः सर्वयमिषलवः २१
 श्री ४१ पालिमिषः सार्वभौमः कः सर्वयमिषलवः २२
 नार्थः सार्वभौमः ४२ सार्वभौमः कः सर्वयमिषलवः २३
 सार्वभौमः कः सर्वयमिषलवः २४ सार्वभौमः कः सर्वयमिषलवः २५

१४

१ ॥ कः सर्वयमिषलवः कः सर्वयमिषलवः कः सर्वयमिषलवः
 यः कः २ ॥ वाः कः सर्वयमिषलवः कः सर्वयमिषलवः कः सर्वयमिषलवः
 नः ३ ॥ उक्तः मरुयाः सार्वभौमः वदः कः सर्वयमिषलवः २४
 ४ ॥ उक्तः मरुयाः सार्वभौमः वदः कः सर्वयमिषलवः २५
 ५ ॥ उक्तः मरुयाः सार्वभौमः वदः कः सर्वयमिषलवः २६

शुद्धः शुद्धवचनसमन्वितः शुद्धसुखं शुद्धलोकं शुद्धलोक्यामहागानध्वरा ॥ १ ॥
 शुद्धनीलाग्रसंघीनाप्रदानिलकवागुचीमदामधिमयः शुद्धनिर्मितरुद्रदा
 ॥ ८ ॥ प्रोक्तः शुद्धाभाकंयिः शुद्धियादमदाकामः शुद्धाभिरुद्रवत्तुल्यतिमसाधि ॥ ९ ॥
 नागः ॥ ९ ॥ वाच्यंगकसुसामादुतधगगगुक्षदद्विः शुद्धांगमगानयविगुसंयक्तं व
 द्मगानयविगु ॥ १० ॥ सर्वसुखमहासंज्ञानिसंज्ञागगक्षयमः सर्वसुखमनाजान

सर्वसुखमनाजान ॥ ११ ॥ सर्वसुखदिवार्थः सर्वसुखमहादुल्लभं च सुखार्थं न
 लल्लभं च सुखं च विदुः शुद्धयम् ॥ १२ ॥ सर्वनिर्थाकाटिः सर्वनिर्थावर्कविदुः सर्व
 निश्चानमार्गयः सर्वनिश्चानदेऽका ॥ १३ ॥ द्वादशः शुद्धवचनः द्वादशकागगुद्ध
 कचउसुखा नयाकागुद्धरुद्रावाववाययका ॥ १४ ॥ द्वादशकागसुखार्थया ७ उतका
 लल्लविगुविदुः शाकागसंवाधिविदुः सर्वविद्यया ॥ १५ ॥ शुद्धवचननिर्मा

कायर्षट् विरावक सर्वजनाहिसमयासर्वचिरुजनाथविष्णु ॥ १७ ॥ नानाया
 ननयायायाजगदर्थविरावकयानपिनयमिश्नान् उक्तयानहल्लिङ्ग ॥ १८ ॥
 कृष्णायुविष्णुदासाकर्मायुजयंकनडायादविहस्रुहिरुयागकाकनीति ॥ १९ ॥
 जिगा ॥ १७ ॥ कृष्णयकसंकृष्णस्युहिनसकासनस्युहियायमदान्नाश्रमाद्यज
 गदर्थका ॥ १८ ॥ सर्वसस्युहिनयाविहनाथनित्राचयकसर्वसत्यमनावि

नयसर्वसत्यमनागि ॥ २० ॥ सर्वसत्यमनाकस्रुहिरुसमनागनसर्वसत्यमना
 लादिसर्वसत्यमनागि ॥ २१ ॥ सिद्धायाविरुमायनसर्वगानिविदर्जिनसिद्धि
 मतिरुवसर्वार्थमिगुप्तसका ॥ २२ ॥ यंचरुथार्थनिरुसर्वजनविश्वक
 ऊनाहिसंवाधिसर्ववद्वसत्यवयक ॥ २३ ॥ श्रनगकायकायागुकायकानिविराव
 कश्रुगवत्रयंसदशीनलकउमहाप्रति ॥ २४ ॥ समनाहानगथाचउविङ्गि ॥

सर्वसंबद्ध वाच्योद्भवाधि न नूनः ४ श्रुतं क्रामनया निमग्नमनु कलनय ॥ १ ॥
 सर्वमकार्यजनकामहाविहृतं कलनं वा क्रामनया शुच्यविहृतं शुच्यं उक्तं कल ॥ २ ॥
 सत्त्वाका न निजा का नया ७ आर्द्धविहृतं कलनं कलना गिनं च उक्तं नया टिहृतं ११
 ॥ ३ ॥ सर्वं न कनाहिरु समाधिकं लक्षणं विहृतं समाधिकं कायं सर्वं संलग्नं क
 यना ॥ ४ ॥ निमानकायकाया एव न निर्माहवः १२ कदं १३ दिष्टिं न निर्माहवः १४

वज्रगद वदना ॥ ५ ॥ दिवा निदवा द वलं सूनदा दानवाधियुक्तं नडा सूनयु नूनं ४ य
 मथं यमथ इव ॥ ६ ॥ उलिन हवका ना नूनं कलना जगदु नूनं यथा भादना दिष्टिं क
 कर्मदानय निमहन ॥ ७ ॥ मेला सन्न हसनं कलनं धर्मवर्मा निमहनं १५ वनूमा नूनं
 सन्न ननं जह ॥ ८ ॥ माया निमाना दिष्टिं नूनं मानहया कलनं सर्वमानवमृदना सन्न
 ज्ञाना नयका ॥ ९ ॥ वद यन्न हिरा यन्ममान निशाच निमहनं १६ नीयोरुमा माया

[illegible]

नूनावलिसमस्य नजंगक सार न डी डी डी न नवाहाइलसादी
 निजजमान कलना नग डानि विष्णु याकं ह का न च नमाहसिंह ह न नव मा यून न
 यानग सा थवाइ श्वनान शङ्क क्लाहा नामसि धरुव न नानावा निष्क यथा नया
 डाथनसम शनि धर्म चिग डल्यनि या ड थ नामसि गितियुक्त क दय कारन
 लिपि नं कलना नजम ग थवाहा नया डी वजा वाइ लरुयनि नं वाथाहन
 नस १

वासुदेव

संस्कृत-व्याकरण १८ लि.

संस्कृत-व्याकरण १८ लि.
कानंशु

संस्कृत-व्याकरण

68

सुखीवन



सुखीवन

卷之五

68